

मक ॥२

220 नागेश्वरजी मंदिराची शिं
अक्षय्याची न

श्रीतनुना. यत्
 ॐ द्रुगध्वनाय ॥ ॐ यं जाय
 स्वाहा ॥ ॐ दीपशायतय ॥
 यायाष्टिकाकृतिः ॥ घृणद्ध
 तिलाकृतिः तिलाकृतिः सी
 कृति ॥ यधुनयायनाम
 या सिद्धीयनामयिवा ॥
 नयः ॥ ॐ यिसा निफिनग
 नयः ॥ यकाडिसीलासाला
 वयः ॥ सिद्धीयनामयिवा
 नयः ॥ निर्विकनयाय ॥
 अघेयावलीवनदाय ॥ स्थान
 गनक ॥ शिगवनभाधनया
 य ॥ भक्तकायचामलानन
 ताय ॥ वलाञ्जनकमलप
 लिताय ॥ यययसीकृता
 धातय ॥ ॐ नयः ॥ देव ॥
 वन्दयः ॥ नयः ॥ सीया
 यावय ॥ ॐ सिवलीनश्व
 यम ॥ ॐ दीपशाय ॥
 नयः ॥ नयः ॥ वयः
 यावय ॥ नयः ॥ वयः
 वयः ॥ नयः ॥ वयः

क॥ दत्तक कष्टि
कुटुम्बय॥ स्व०
लि० स्वा०
व० पा०
तलक॥ गति
न॥ धानर्थभा
त॥ सिधुकार
मावीकानम
आरुर्न॥ याग
विश्व॥ लीखया
व्यंगरु॥ छाहास्त्रीयाम्
उडास्यवेगयस्व० स्वधिग्मे
न० लि० सी॥ उ० विनिर्मिम
नु०॥ कुलिथानामासि॥ कुण
वाभक्तु०॥ उ० वक्ताजमान॥ जं
गतमक्तु०॥ उ० यु० नित्यध्रः
मन्त्र्यावाचकथाविगस्तुव०॥
वाचकवाचनादिदि॥ न० उ० क
युनिवला॥ केद० व० स० था०
मक्त॥ याम्त० व०
ग॥ यन्ना
वधूद्यदालि

हृदयं वि
वदार्कनं
मयदः
१०. गृह्या
आहनिवि
निवसि न्द
याहि ८ सीमा
निष्टा। अलि
खनकायम
मिष्टी। युआ
घी। गृह्या। यः

माघी। निदितागनशाव
घी गणननाकवामि। साय
वमया मरु। अमूकनामः
मुदिक् ८। सरु। उया।
रुननी। आवथि। उनेका
सि। ज्ञानाथथगायन
सुमि कनक। वलाअनूक
मरु। वन। अगन
वका। वृषास
नका। कयाण
रु। वरुविकिः

स्यमा
वयः४। धनं
वयना। वय
काकाय।
घा। उम
यूआ। ना
विधिथय
अरिथक
घोद। साम
काय। कलम
यकाय। स्वथाना
काथय। वाक्कागुशन।
निवृत्तुथीकनूयाविधिः

गमानवधूयाण। दावसथ
कादिस्थलासाय। लासा
वदगायन। सुमि कनक।
यूनः युवथलीशायावना
यत। नदीस। ननविथ
लायविथक। अन
कमनरु। क
काय। युआ। य

॥ प्राये ॥
॥ यवीरा ॥ य
॥ मकिल्य ॥
॥ गुगन्ध ॥
॥ वन्दना ॥
॥ कुमना ॥
॥ साक्षीथा ॥
॥ निन्द ॥
॥ १ ॥

॥ देनानुयुयकगवन्दन ॥
॥ कलसयुजाश ॥ मय्याश ॥
॥ वसथ ॥ थकादि सीयुष्टारु ॥
॥ नयाय ॥ वासना सीकल ॥
॥ मयुजायाय ॥ कुगन्धोडामी ॥
॥ मल्लभवेतशर्कयु ॥
॥ य ॥ कुमनाद्रुमियुमिष्टा ॥ वा ॥
॥ मयुजा ॥ ॥ निक ॥ यष्टि ॥
॥ थकादि मीलासा ॥
॥ निर्वेकन ॥
॥ नराय ॥ स्वा

॥ मन्त्र ॥
॥ य ॥ यन्द ॥
॥ दया ॥
॥ विधि ॥
॥ य ॥ कु ॥
॥ वन्दनादि ॥
॥ नाद्रुमि ॥
॥ यादुल ॥
॥ विष्णु ॥

॥ श्रीचोदि ॥ न्या ॥
॥ रुक्म ॥ युजाका ॥
॥ कवन्दनादि आणी चोद ॥
॥ दयनमाय ॥ आनयि ॥ ॥
॥ नकासि ॥ कामावीयुजाका ॥
॥ य ॥ साक्षीभय ॥ मयुद ॥
॥ नयायक ॥ ॥ निन्द ॥
॥ नायिदि ॥ ॥

॥ तनागरुभानदिमि ॥ ॥ य ॥
॥ मवजखलीदि ॥ ॥ सान ॥
॥ यक ॥ दूयन ॥ ॥ न्या ॥
॥ सायकीन ॥ ॥ य ॥
॥ वादकयाय ॥ ॥ य ॥

॥ यन्मात्रं

॥ शुक्रनः

॥ अंग

॥ धनः

॥ विन्दु

॥ सुख शमा

॥ हा ॥ ॐ

॥ मानाय

॥ अग्निना

॥ यश्च यानू

॥ तादृ नि ॥ तिलादृ नि ॥

॥ वक्राद्यनिष्ठा ॥ वधूस्तान

॥ कथायसगानयसौद

॥ भावस्तस्मि कसव ॥ निर्वेक

॥ नयाय ॥ अष्टकस्तसस्तान

॥ ताय ॥ यथम ॥ ॐ आयादि

॥ ता ॥ विनीय ॥ ॐ यावः निव

॥ शुभीय ॥ ॐ तस्मादंगमा ॥

॥ य ॥ कथानधि ॥ य

॥ ॐ तातादृ मिन्द ॥ य

॥ ॐ तातादृ मिन्द ॥ य

॥ नामद्विव

॥ यिदू ॥ ॐ

॥ अरिव

॥ याद्यम

॥ ह्यामय

॥ स्वमस्मद

॥ नवयन्

॥ य ॥ लू

॥ खनस्मा

॥ यक ॥ ग

॥ मलरि

॥ अ

॥ क

॥ ॐ

॥ ॐ

॥ ॐ

॥ ॐ

॥ ॐ

॥ ॐ

॥ ॐ

॥ ॐ

तो कृति ।
प्रजादिन
थ काठि
दिगभा ।
वाचन ।
नयाङ्ग
निगुप्तने
। पूर्वदिग
शुकाङ्गः
मीवावदु
सामाव
विष् ।

मामा

मथ

वि

वि

वृय

मया

मा

।

।

।

।

।

।

।

।

माहमक
ययकेन
भायाम
वाहला
यिसाम
कायसि
न मावा
कयकं हि
काठिसिनि
कालमयन्दना
य ॥ द्वावसवत्तगगवा
अकविय ॥ मामनअयिसाम
नयाकलायकुलाठनाठर
यक ॥ लाणालावरु ॥ यथ
खाससुसि कसत ॥ धवम
कयश्चमस ॥ कलखिवाय ॥
निष्कमणगुणीघाट ॥ उक्
यकान ॥ मूयदभेणयाव
॥ उगयदूदव ॥ ननिमय
दिगममगीविय ॥ यवय
सगाथेणयकु ॥ तंउके
लासाल ॥ अत्रयकाकि

का
सदावस
नामाल
गयक
॥ दकि
धक ॥ व
॥ गाम्बुव
ल्यकिन
॥ गिनि
॥

तामकवर्ण ॥ थादिगम्य
कलमयूजाशवमथ ॥ कल
मयवगयाव ॥ लायवननना
मवाय ॥ धिवदववकुवद
नीवा ॥ याकणस्यकलयूजा
विधिथायाय ॥ जागकेयू
॥ वांकायूजा ॥ याकण
यूजा ॥ गानिक ॥ यूदिक
मलकमामनवूय ॥ थकादि
सिलासालावअसि कसत ॥
निष्कनयाय ॥ अद्ययावर्त
खनलव ॥ अनामनक ॥

शानविश
सण ननखाय
वसा गविश

॥ सिधमन
यगयना
कन ॥ का

स ॥ म्मावय
नगयावय
स ॥ ल्यदिध

यकलकका
॥ युगिष्टा ॥ मरु
॥ अनसकला ॥ दक्षिण ॥

लसकागक ॥ आनी शोध ॥
काकाय ॥ गुरुधय ॥ वचना
दि आनी शोध ॥ आकविय ॥

वालक आनी शोध ॥ उकास
खाराकसखारा ॥ रुपावि
गायखारामनय ॥ यययथा

खाराविमदि ॥ नयादिमो
खारादिमदि ॥ रुपादिचे
खमुनि ॥ खारासवसु

शेख
खारा

अथयथा
कायखा ॥ लवि
दीयाय ॥ वारा

विम्वेखा
ायखा
यखला ॥

रावधिशासा
नाय ॥ वयू
म ॥ कागकक

दयकनाककि
न ॥ नमनामकवप ॥

अथरु नयामन ॥ खलया
मान ॥ वासनायकिलसयूजा
इवमय ॥ यरुमालादयक

॥ आयूजा मालकदयक ॥
वाफा ॥ कलमयूजावि
विश ॥ नमनायूजा ॥

मनि ॥ ॥ वालक
मामन ॥ कादिसी
लो ॥ नि

वृन

ननननक
विशोभनरु
नननाय। रुल
वनादिमयि
जावाविथी
नन। रुल
कलकवाय
या रुलनी।
मलानवि
रुसवास्यनि
कायक। याम्नाल
जायाय। उमवाकामीन्य
॥ उमन्नयन ॥ उमनाह्ननिय
निष्ठा। अन्नसंजित्य गाठु
नवाय। अहमनननारु
नजाठुदयक। ॥ ॥ ॥
०००॥ नानक। पूवाककूठ
नलकीन। यि... ॥
०००॥ नानक। ॥ ॥ ॥
नवाल्कया... ॥ ॥ ॥
॥ अगनन ॥ ॥ ॥
क॥ य... ॥ ॥ ॥
वीवकव... ॥ ॥ ॥

न॥ ना
न॥ कलकवार
रुल॥ गरमाला
नवविचदा
वविथपावि
रुगम॥ दद
मववाय ॥
॥ मरु ॥
कलवावन॥
कोद॥ न्यासलि
जाकाय॥ अरिथक
वन्दनादि॥ अगनीद्याय॥
अवधि॥ साक्षीथय॥ यिगार्य
न॥ ॥ ॥ ॥
~~॥ ॥ ॥ ॥~~
वि... ॥ ॥ ॥

मनि... ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥